Roll No. ..... Total Pages: 04

4125

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2018

हिन्दी साहित्य

पंचम प्रश्न पत्र

कथा साहित्य

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

इकाई – I

प्र.1 (i) 'उसने कहा था' कहानी की मूल संवेदना क्या है?

(ii) 'वापसी' कहानी में भारतीय परिवारों की किस समस्या की ओर संकेत किया गया है?

इकाई – II

(iii) 'गोदान' उपन्यास के पात्र 'गोबर' की दो चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(iv) 'गोदान' उपन्यास में किस वर्ग की करुण गाथा का चित्रण है?

इकाई – III

(v) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की दो भाषागत विशेषताएँ लिखिए।

(vi) 'बाण' के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ लिखिए।

इकाई – IV

(vii) 'शेखर एक जीवनी' के मुख्य पात्र का परिचय दीजिए।

(viii) 'शेखर एक जीवनी' किस श्रेणी का उपन्यास है?

इकाई – V

(ix) प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यासों की विविधता पर टिप्पणी कीजिए।

(x) कहानी और उपन्यास विधा में मूल अंतर बताइये।

खण्ड– ब

इकाई – I

प्र.2 संदर्भ सहित व्याख्या करें–

गजाधर बाबू ने आहत, विस्मत दृष्टि से पत्नी को देखा। उनसे अपनी हैसियत छिपी न थी। उनकी पत्नी तंगी का अनुभव कर उसका उल्लेख करतीं, यह स्वाभाविक था, लेकिन उनमें सहानुभूति का पूर्ण अभाव गजाधर बाबू को बहुत खटका। उनसे राय–बात की जाती कि प्रबन्ध कैसे हो, तो उन्हें चिन्ता कम, संतोष अधिक होता। लेकिन उनसे तो केवल शिकायत की जाती थी, जैसे परिवार की सब परेशानियों के लिए वही जिम्मेदार थे।

प्र.3 संदर्भ सहित व्याख्या करें–

''संसार में सबसे बड़े अधिकार सेवा और त्याग से मिलते हैं और वह आपको मिले हुए हैं। उन अधिकारों के सामने वोट कोई चीज नहीं है।.....हमारी माताओं का आदर्श कभी विलास नहीं रहा। उन्होंने केवल सेवा के अधिकार से सदैव गृहस्थी का संचालन किया है''।

इकाई – II

प्र.4 संदर्भ सहित व्याख्या करें–

'मैं अकिंचन हूँ, साधनहीन हूँ, पथ भ्रांत हूँ। मेरे पास है ही क्या, जिससे तुम्हारी पूजा करूँ? तुम देवी हो, सौ बार प्रतिवाद करो, तो भी देवी हो– इस कलुष–पंकिल संसार–सागर की प्रफुल्ल पद्मिनी, इस धूलि धूसर वन भूमि की मालती लता।''

प्र.5 संदर्भ सहित व्याख्या करें–

''मूर्ति का निर्माण हो सकता है, मृत्तिका का नहीं। उसी मिट्टी से अच्छी प्रतिमा भी स्थापित की जा सकती है, बुरी भी; जहाँ मिट्टी ही न हो, वहाँ कितने ही प्रचार से कितनी ही शिक्षा से, कितने ही जाज्वल्यमान बलिदान से मूर्ति नहीं बन सकती। विद्रोही हद्य को विद्रोही गढ़न की आवश्यकता है, ठीक उसी प्रकार जैसे मृत्तिका को कलाकार के स्पर्श की।

इकाई – III

प्र.6 ''गोदान' एक आदर्शोन्मुख यथार्थवादी उपन्यास है।'' कथन की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए।

प्र.7 वस्तु और शिल्प के आधार पर 'शेखर एक जीवनी' का मूल्यांकन कीजिए।

इकाई – IV

प्र.8 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में भारतीय संस्कृति का उदात्त चित्रण हुआ है। कथन पर अपना अभिमत दीजिए।

प्र.9 'स्वामी' उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण कीजिए।

इकाई – V

प्र.10 प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास परम्परा का परिचय देते हुए इस युग के उपन्यासों की विशेषताएँ बताइये।

प्र.11 नई कहानी से क्या तात्पर्य है? इसकी रचनागत विशिष्टताओं को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड– स

इकाई – I

प्र.12 'पंच परमेश्वर' कहानी की समीक्षा समकालीन संदर्भ में कीजिए।

इकाई – II

प्र.13 गोदान को महाकाव्यात्मक उपन्यास क्यों कहा जाता है? संदर्भ एवं तर्क सहित उत्तर दीजिए।

इकाई – III

प्र.14 'नारी शरीर देव मंदिर की भांति पवित्र है।' कथन के आधार पर 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में आए नारी पात्रों का मूल्यांकन कीजिए।

इकाई – IV

प्र.15 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास में मनोविश्लेषणात्मक पद्धति का आश्रय लिया गया है। कैसे? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

इकाई – V

प्र.16 समकालीन उपन्यास परिदृश्य पर एक निबंध लिखिए।